

जुद्धीदार कानन गानगराज

संख्या : १/२५ १२

क्र. संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
6	6/2024	<p>पत्रावली प्रस्तुत/वकील प्रार्थी व अप्रार्थी 1, 2 के अधिवक्ता उप.। अप्रार्थी 1, 2 ने जवाब हेतु आवक-चाह। न्यायपत्रिक में एक प्रतिलिपि आवक किया जाता है अतः पत्रों पर जवाब पेश नहीं किये पर जवाब का भ्रमना के संतप्त जैविका। पत्रावली वास्तु जवाब दिनांक 11/6/2024 को पेश हो</p>	
11	6/2024	<p>पत्रावली प्रस्तुत/वकील प्रार्थी व अप्रार्थी 1, 2 के अधिवक्ता उपस्थित। अप्रार्थी 1, 2 जवाब प्रस्तुत नहीं करना चाहते हैं अतः जवाब का आवक चेंद किया जाता है। प्रार्थी अधिवक्ता व अप्रार्थी 1, 2 के अधिवक्ता की प्रांभुत अस्वार्थ निषेधाज्ञा पर अहम सुनी गई। प्रार्थी ने जाहिर किया कि अप्रार्थी/गण बिना तकासमों करके विवाहित आरणी का बेचान करना चाहते हैं अतः अप्रार्थी/गण को अस्वार्थ निषेधाज्ञा से पार्षेय किया जावे। अप्रार्थी 1, 2 के अधिवक्ता ने जाहिर किया कि दोनों पक्षों को पाबन्ध कर दिया जावे। पत्रावली व अहम में किये गये तब्यों पर मतभेद किया गया। वाद अंतर्वीर का है अतः वाद आह्वलता को रोकने व अविभाजित आरणी के संरक्षण के लिए आदेश दिनांक 2/11/2024 को मूलवाद के निस्तारण तक स्वार्थ किया जाता है।</p> <p>पत्रावली केसल सुकाल होकर दाखिल पकटा हो</p>	<p>सहायक कलक्टर आमेर मु० जयपुर</p>